बैठे क्या सोचते हो | by Vikash Kapoor & Pratima Singh

बैठे क्या सोचते हो झुंझुनू तो चलकर देखो ना
किस्मत पल में संवर जाएगी, बिगड़ी वहां पे सुधर जायेगी
तेरी दुआओं का भी होगा असर देखो ना
होगा असर देखो ना .....
बैठे क्या सोचते हो.....

थोड़े संभल जाओ दु:ख से ना घबराओ होके परेशान बैठे हो क्यों
दुखियों की सुनती हैं दादी मेरी, चुटकी में हर लेगी दुखड़े वही
झुकना कहीं ना पड़ेगा चौखट पे झुक कर देखो ना
चौखट पे झुक कर देखो ना
किस्मत पल में संवर जाएगी, बिगड़ी वहां पे सुधर जायेगी
तेरी दुआओं का भी होगा असर देखो ना
होगा असर देखो ना .....
बैठे क्या सोचते हो.....

मन से बुलाओगे ग़म भूल जाओगे इतना भरोसा तो कर ले ज़रा
बैठी है झुंझुनू में तेरे लिए दामन पकड़ लेगी पल में तेरा
रोना कभी ना पड़ेगा, रोकर तो दर पे देखो ना
रोकर तो दर पे देखो ना .....
किस्मत पल में संवर जाएगी, बिगड़ी वहां पे सुधर जायेगी
तेरी दुआओं का भी होगा असर देखो ना
होगा असर देखो ना .....
बैठे क्या सोचते हो.....

सबको निभाती है कष्ट मिटाती है, माँ है दयालु ये कहते सभी
हर्ष तेरा काम बन जायेगा दुनिया में जो बन सका ना कहीं
गिरना कहीं ना पड़ेगा, चरणों में गिरकर देखो ना
चरणों में गिरकर देखो ना .....
किस्मत पल में संवर जाएगी, बिगड़ी वहां पे सुधर जायेगी
तेरी दुआओं का भी होगा असर देखो ना
होगा असर देखो ना .....
बैठे क्या सोचते हो.....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ac%e0%a5%88%e0%a4%a0%e0%a5%87-%e0%a4%95%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be-%e0%a4%b8%e0%a5%8b%e0%a4%9a%e0%a4%a4%e0%a5%87-%e0%a4%b9%e0%a5%8b-by-vikash-kapoor-pratima-singh/